

# बाल महाभारत कथा

‘अंबा और भीष्म’

(मॉड्यूल-1/2)

# महाभारत कथा



# संदर्भ-प्रसंग भाग 1

अधोलिखित गद्यांश 'बाल महाभारत कथा' पुस्तक के 'अंबा और भीष्म' नामक पाठ से उद्धृत है। इस पाठ की कथावस्तु का मुख्य आधार 'महाभारत' नामक ग्रन्थ है। जिसका रचनाकार 'महर्षि वेदव्यास' को माना जाता है।

सत्यवती के पुत्र चित्रांगद के युद्ध में मारे जाने के बाद भीष्म द्वारा राज्यभार संभालना। आगे भीष्म का काशीनरेश की बेटियों (अंबा, अंबिका, अंबालिका) के स्वयंवर से उन्हें जीत कर लाना तथा विचित्रवीर्य से अंबिका और अंबालिका का विवाह करा देना। इसके पश्चात अंबा को उसके आग्रह पर राजा शाल्व के पास भेज देना परंतु सौभराज शाल्व द्वारा अंबा को अस्वीकार किया जाना। अंबा का निराश होकर हस्तिनापुर लौटना तथा भीष्म को सारा वृत्तान्त कह सुनाना, इस प्रकार का कथावस्तु की चर्चा भाग 1 में की गई है।

# अंबा और भीष्म



# सारांश भाग 1

सत्यवती के दो पुत्र हुए- चित्रांगद और विचित्रवीर्य। चित्रांगद की मृत्यु युद्ध में हो गई। उनकी कोई संतान नहीं थी इसलिए विचित्रवीर्य हस्तिनापुर के शासक बने। चूँकि विचित्रवीर्य छोटे थे इसलिए उनके बालिग होने तक राज-काज भीष्म ने संभाला।

विचित्रवीर्य जब विवाह योग्य हुए तो भीष्म को उनके विवाह की चिंता हुई। जब उन्हें काशीराज की कन्याओं के स्वयंवर के बारे में पता चला तो वे उसमें शामिल होने काशी चल दिए। वहाँ देश-विदेश के अनेक राजकुमार स्वयंवर में भाग लेने आए हुए थे। भीष्म ने सभी राजकुमारों को हराकर तीनों राजकन्याओं को अपने रथ में बैठा लिया और हस्तिनापुर की ओर चल दिए।

सौभदेश के राजा शाल्व ने भीष्म को रोकने का प्रयास किया जिस कारण दोनों में भयंकर युद्ध छिड़ गया जिसमें अंततः भीष्म की जीत हुई। भीष्म कन्याओं को लेकर हस्तिनापुर पहुँचे जहाँ विवाह की सारी तैयारियाँ हो चुकी थी। जब कन्याओं को विवाह मंडप में ले जाने का समय हुआ तो काशीराज की बड़ी बेटी अंबा ने बताया कि वे राजा शाल्व को पहले ही अपना मनोतीत पति मान चुकी है। यह सुनकर भीष्म ने अंबा को राजा शाल्व के पास भेज दिया। अंबा की दो बहनों (अंबिका, अंबालिका) का विवाह विचित्रवीर्य से हो गया। जब अंबा शाल्व के पास पहुंची तो उसने अंबा को अपनी पत्नी मानने से इनकार कर दिया क्योंकि वह भीष्म से युद्ध में हार कर अपमानित हो चुका है। उसने अंबा को भीष्म के पास लौट जाने को कहा। अंबा वहाँ से निराश होकर हस्तिनापुर लौट आयी और भीष्म को सारा हाल कह सुनाया।

धन्यवाद